शोध पत्र

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/1.2.2020.29-82
https://shreedadueducational.com/journal

आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

प्रो. मुदित राठौड़

(प्रोफेसर, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय जामडोली जयपुर)

Corresponding email: prof.muditrathore@gmail.com

शोध सारांश:–बालक का विकास भी शिक्षा का ही प्रतिफल होता है। शिक्षा बालक को औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरीकों से प्राप्त होती है। अनौपचारिक रूप से शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। जिसमें बालक अपने घर, पास-पड़ोस, सगे-सम्बन्धियों, मित्रों एवं अपने समाज में वह जिस-जिस व्यक्ति के सम्पर्क में आता है वह उन सभी लोगों से कुछ न कुछ सीखता रहता है और औपचारिक शिक्षा के सन्दर्भ में बालक के विकास का सारा दारोमदार विद्यालय पर तथा वहाँ के संसाधनों और वातावरण पर होता है,बालक जब विद्यालय में प्रवेश करता है तो वह देखता है कि विद्यालय में उसके सहपाठी किस प्रकार व्यवहार करते हैं तथा शिक्षक अन्य शिक्षकों से किस प्रकार व्यवहार करते हैं।

उपकरण:–आकांक्षा स्तर मापनी (डॉ. महेश भार्गव एवं एम. ए. शाह द्वारा निर्मित)

पारिवारिक वातावरण मापनी–(स्व निर्मित) न्यादर्श एवं जनसंख्या जयपुर संभाग के 400 छात्र एवं 400 छात्राओं का चयन किया गया जो कक्षा 11वीं एवं 12वीं में आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत है।

निष्कर्ष :-

1. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर के दोनों स्तर लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों(GDS) एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों(ADS) में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
3. आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर के दोनों स्तर लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।
4. आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ :–प्रस्तुत शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षो का लाभ अभिभावकों को मिल सकेगा तथा वे अपने बालकों के आकांक्षा स्तर एवं पारिवारिक वातावरण के सुधार में सहयोग प्रदान कर सकेंगे।शिक्षक भी अपने विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं पारिवारिक वातावरण को उच्च करने में सहयोग प्रदान कर सकेंगे।

मुख्य शब्द:–आकांक्षा स्तर, पारिवारिक,वातावरण

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/1.2.2020.29-82
https://shreedadueducational.com/journal

प्रस्तावना :-

आवासीय विद्यालयों की स्थापना का मुख्य ध्येय सामाजिक-आर्थिक एवं अन्य किसी सीमाओं के कारण शिक्षा से वंचित बालकों को गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध करवाकर उनका संतुलित एवं बहुआयामी विकास करना है। बालक का विकास भी शिक्षा का ही प्रतिफल होता है। शिक्षा बालक को औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरीकों से प्राप्त होती है। अनौपचारिक रूप से शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है। जिसमें बालक अपने घर, पास-पड़ोस, सगे-सम्बन्धियों, मित्रों एवं अपने समाज में वह जिस-जिस व्यक्ति के सम्पर्क में आता है वह उन सभी लोगों से कुछ न कुछ सीखता रहता है और औपचारिक शिक्षा के सन्दर्भ में बालक के विकास का सारा दारोमदार विद्यालय पर तथा वहाँ के संसाधनों और वातावरण पर होता है, बालक जब विद्यालय में प्रवेश करता है तो वह देखता है कि विद्यालय में उसके सहपाठी किस प्रकार व्यवहार करते हैं तथा शिक्षक अन्य शिक्षकों से किस प्रकार व्यवहार करते हैं। इन सब को देखकर वह अपने को विद्यालय के वातावरण के अनुकूल ढ़ालता है। धीरे-धीरे बालक आस-पास उपस्थित व्यक्तियों के व्यवहार को देखता समझता है तथा उस व्यवहार की व्याख्या अपने आप करने लगता है। समायोजन की प्रक्रिया में बालक धीरे-धीरे स्वयं को परिस्थिति के अनुकूल समायोजित करता है। छात्रावास के विद्यार्थी शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक दृष्टि से सर्वोत्तम प्रदर्शन करते हैं। विद्यालयों की प्रकृति आवासीय होने के कारण इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी अपने अभिभावकों से नियमित रूप से नहीं मिल पाते हैं और अपनी समस्याओं का स्वयं ही समाधान करते हैं। पाठ्य सहगामी क्रियाओं व उचित वातावरण के साथ समायोजन करना विद्यार्थी आवासीय विद्यालयों में ही सीखते है साथ ही शिक्षकों का आदर करना आदि अन्य मानवीय गुणों का विकास भी आवासीय विद्यालयों में ही होता है।

आकांक्षा स्तर-भविष्य में विभिन्न प्रकार की आकांक्षाएँ जो कि एक विद्यार्थी प्राप्त करना चाहता है। वह इसी स्तर पर निश्चित की जाती है। विद्यार्थियों का विषय चयन भी इस स्तर पर उनके भविष्य एवं आकांक्षा को ध्यान में रखकर निश्चित किया जाता है। विद्यार्थी में आकांक्षा जितनी अधिक प्रबल होगी उसके भविष्य में उन्नति करने की क्षमता उतनी ही अधिक तीव्रगामी एवं प्रबल होगी उसके भविष्य में उन्नति करने की क्षमता उतनी ही अधिक तीव्रगामी एवं प्रबल होगी आकांक्षाएँ ही विद्यार्थी के पारिवारिक एवं विद्यालयी वातावरण से प्रभावित होती है।

बैबस्टर शब्द कोष के अनुसार शब्द Aspirationका अर्थ है- आकांक्षा (Ambition), कामना और लालसा (Longing)। सामान्य बोलचाल की भाषा में

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/1.2.2020.29-82
https://shreedadueducational.com/journal

Ambition और Aspiration को एक दूसरे के पर्याय के रूप में प्रयोग किया जाता है।शिक्षाविदों ने आकांक्षा को निम्न प्रकार स्पष्ट किया है।

- **चाइल्ड एण्ड विटिंग** (1954) के अनुसार ''आकांक्षा स्तर दिये गये कार्य में भविष्य की क्रिया का अनुमान है''
- **जेम्स** (1964) के अनुसार ''किसी विशिष्ट परिस्थिति में व्यक्ति द्वारा स्वयं के क्रिया स्तर को स्वीकारना आकांक्षा का स्तर है।''
- **हरलॉक** (1976) के अनुसार ''व्यक्ति द्वारा प्राप्त किये जा चुके लक्ष्यों और जिन्हें वह प्राप्त करने की आशा करता है, के बीच विरोध ही आकांक्षा स्तर है।

पारिवारिक वातावरण–बालक के जीवन को दो वातावरण (1) पारिवारिक वातावरण (2) विद्यालय वातावरण प्रमुख रूप से प्रभावित करते हैं। पारिवारिक वातावरण के अनुसार बालकों में पारिवारिक गुणों का समावेश होता है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना करना भी कठिन प्रतीत होता है। घर के वातावरण का प्रभाव व्यक्ति के विकास के सभी स्तरों पर पड़ता है। पारिवारिक वातावरण के अन्तर्गत बालक के संवेगात्मक नियंत्रण एवं संवेगात्मक स्थिरता पर परिवार के आकार, पारिवारिक सदस्यों के आपसी सम्बन्ध, माता-पिता का बच्चों से सम्बन्ध, परिवार का वातावरण का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। बड़े आकार के परिवार में संवेगों का विकास छोटे परिवारों की अपेक्षा शीघ्र होता हे।

माता-पिता द्वारा बालकों के प्रति अधिक संरक्षणवादी प्रवृत्ति भी संवेगात्मक अस्थिरता का कारक होती है।

प्रस्तुत शोध कार्य के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया हैं कि कि आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर पर उनके पारिवारिक वातावरण का क्या प्रभाव पड़ता है।

समस्या कथन–

''आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन''

तकनीकी शब्द–

आकांक्षा स्तर–आकांक्षा से अभिप्राय एक व्यक्ति का एक निश्चित उद्देश्य के प्रति लगाव होना। यह उद्देश्य विचारात्मक या वास्तविक होता है। आकांक्षा का स्तर वह सीमा बताता है कि जिस सीमा तक व्यक्ति अपने जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करता है। न्यू वर्ल्ड डिक्शनरी में आकांक्षा या एस्पीरेशन शब्द का अर्थ है वह महत्वाकांक्षा अर्थात् ऊँचे उठने की तीव्र चाह या आकांक्षा का अर्थ व्यक्ति की उस इच्छा से है जिसकी वह पूर्ति करना चाहता है।

पारिवारिक वातावरण– शोध में पारिवारिक वातावरण से तात्पर्य परिवार के सदस्यों द्वारा प्रदत्त परिवेश जो बालक के व्यक्तित्व को

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/1.2.2020.29-82
https://shreedadueducational.com/journal

प्रभावित करता है व बालक का विकास करता है।

विद्यार्थी– शोध में विद्यार्थियों से तात्पर्य कक्षा 11वीं एवं 12वीं में आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों से है।

अध्ययन के उद्देश्य–

1. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ–

1. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर में कोई अन्तर नहीं है।
2. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में कोई अन्तर नहीं है।
3. आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।
4. आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण–

- **आकांक्षा स्तर**–डॉ. महेश भार्गव एवं एम. ए. शाह द्वारा निर्मित।

(1) लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक(GDS)

(2) उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक(ADS)

(3) लक्ष्य तक पहुँचने की संख्या(NTRS)का प्राप्तांक

लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (Goal Discrepancy Score)–

G.D.S. = (Expected Score on this trial) – (Actual score on Immediate Past Trial)

लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक = (वर्तमान प्रयास का प्रत्यांक्षा प्राप्तांक) – (तात्कालिक पूर्व प्रयास का वास्तविक प्राप्तांक)

उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (Attainment Discrepancy Score)–

A.D.S. = (Actual Score on this trial) – (Expected Score on this trial)

उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक = (वर्तमान प्रयास का वास्तविक प्राप्तांक) – (वर्तमान प्रयास का प्रत्यांक्षा प्राप्तांक)

लक्ष्य तक पहुँचने की संख्या का प्राप्तांक (Number of Times the Goal Reach Score, NTRS)– विषयी कितने बार प्रत्याक्षा प्राप्तांक के बराबर या उससे अधिक लक्ष्य प्राप्तांक प्राप्त करता है उसकी गणना करके एन.टी.आर.

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/1.2.2020.29-82
https://shreedadueducational.com/journal

प्राप्तांक की गणना करते हैं एन.टी.आर. प्राप्तांक से अभिप्राय निर्धारित लक्ष्य या उससे अधिक प्राप्तांक प्राप्त करने के प्रयासों की संख्या से है।

- **पारिवारिक वातावरण मापनी**–स्वनिर्मित उपकरण।

शोधकर्ता ने अपने शोध के अध्ययन हेतु स्वनिर्मित पारिवारिक वातावरण मापनी का निर्माण किया है। इसके लिए सर्वप्रथम शोध विशेषज्ञों से मापनी के निर्माण की चर्चा की गयी तथा उनके सुझावों के अनुसार मापनी को निर्माण प्रारम्भ किया गया। इस मापनी का विश्वसनीयता गुणांक, परीक्षण-पुर्नपरीक्षण विधि द्वारा ज्ञात किया गया। परीक्षण-पुर्नपरीक्षण में समय अन्तराल एक माह रखा गया और विश्वसनीयता गुणांक 0.81 पाया गया।

शोध विधि:शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया ।

न्यादर्श एवं जनसंख्या :–शोध में जयपुर संभाग के आवासीय विद्यालयों के 400 छात्र एवं 400 छात्राओं (कक्षा 11वी एवं 12वीं) का चयन किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी– प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने अपने शोध कार्य के परिणामों व निष्कर्षो को प्राप्त करने के लिए मध्यमान प्रमाप विचलन टी-परीक्षणएवं सहसम्बन्ध गुणांक सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या–

परिकल्पना 1–आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर में कोई अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या 1

समूह	छात्र (400)		छात्राएं (400)		टी. अनुपात	स्वीकृत/ अस्वीकृत
	मध्य मान	मानक विचलन	मध्यमान	मानक विचलन		
लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS)	5.43	2.36	5.74	2.39	1.82	स्वीकृत
उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS)	5.34	2.45	5.52	2.44	1.06	स्वीकृत

0.05 सार्थकता स्तर = 1.96
स्वतंत्रता के अंश = 798
0.01 सार्थकता स्तर = 2.58

तालिका क्रमांक 1 में आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर से सम्बन्धित आंकड़े दिये गये हैं। छात्रों के आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों(GDS) का मध्यमान 5.43 एवं मानक विचलन 2.36 है तथा छात्राओं के आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों(GDS) का मध्यमान 5.74 एवं मानक विचलन 2.39 है। गणना द्वारा प्राप्त टी-मान 1.82 प्राप्त हुआ जो स्वतंत्रता के अंश 798 पर सारणी मान 0.05 एवं 0.01 स्तर के टी-मान 1.96 एवं 2.58 से कम है। अत: लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों(GDS) पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

छात्रों के आकांक्षा स्तर के उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों(ADS) का मध्यमान 5.34 एवं

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/1.2.2020.29-82
https://shreedadueducational.com/journal

मानक विचलन 2.45 है तथा छात्राओं के आकांक्षा स्तर के उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों(ADS) का मध्यमान 5.52 एवं मानक विचलन 2.44 है। गणना द्वारा प्राप्त टी-मान 1.06 प्राप्त हुआ जो स्वतंत्रता के अंश 798 पर सारणी मान 0.05 एवं 0.01 स्तर के टी-मान 1.96 एवं 2.58 से कम है। अत: उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों(ADS) पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 2 -आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में कोई अन्तर नहीं है।

तालिका संख्या 2

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी-अनुपात	स्वीकृत/अस्वीकृत
आवासीय विद्यालय के छात्र	400	36.76	2.45	2.31	0.01 स्तर पर स्वीकृत
आवासीय विद्यालय की छात्राएँ	400	36.39	2.20		

0.05 सार्थकता स्तर = 1.96
स्वतंत्रता के अंश = 798
0.01 सार्थकता स्तर = 2.58

तालिका क्रमांक 2 में आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण से सम्बन्धित आंकड़े दिये गये हैं। छात्रों के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान 36.76 एवं मानक विचलन 2.45 है तथा छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का मध्यमान 36.39 एवं मानक विचलन 2.20 है। गणना द्वारा प्राप्त टी-मान 2.31 प्राप्त हुआ जो स्वतंत्रता के अंश 798 पर सारणी मान 0.05 स्तर के टी-मान 1.96 से अधिक एवं 0.01 स्तर के टी-मान 2.58 से कम है। अत: परिकल्पना ''आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में कोई अन्तर नहीं है'' 0.01 स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 3-आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

तालिका संख्या 3

समूह	संख्या	सह-सम्बन्ध गुणांक	स्वीकृत/अस्वीकृत
आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों (GDS) पर प्रभाव	400	0.059	स्वीकृत
आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों (ADS) पर प्रभाव	400	-0.017	स्वीकृत

0.05 स्तर पर सहसम्बन्ध मान 0.098
स्वतंत्रता के अंश = 398
0.01 स्तर पर सहसम्बन्ध मान 0.128

तालिका संख्या 3आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर प्रभाव से सम्बन्धित है। आवासीय विद्यालय के छात्रों का पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.059 प्राप्त हुआ है जो कि धनात्मक सह-सम्बन्ध है। यह मान 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सारणीगत मान 0.098 एवं 0.

128 से कम है। अत: परिकल्पना लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) पर स्वीकृत की जाती है।

आवासीय विद्यालय के छात्रों का पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक -0.017 प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सह-सम्बन्ध है। यह मान 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सारणीगत मान 0. 098 एवं 0.128 से कम है। अत: परिकल्पना उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना 4-आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर पर सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता।

तालिका संख्या 4

समूह	संख्या	सह-सम्बन्धा गुणांक	स्वीकृत/अस्वीकृत
आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों (GDS) पर प्रभाव	400	-0.039	स्वीकृत
आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों (ADS) पर प्रभाव	400	0.162	अस्वीकृत

0.05 स्तर पर सहसम्बन्ध मान 0.098

स्वतंत्रता के अंश = 398

0.01 स्तर पर सहसम्बन्ध मान 0.128

तालिका संख्या 4 आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर पर प्रभाव से सम्बन्धित है। आवासीय विद्यालय की छात्राओं का पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक -0.039 प्राप्त हुआ है जो कि ऋणात्मक सह-सम्बन्ध है। यह मान 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सारणीगत मान 0.098 एवं 0. 128 से कम है। अत: परिकल्पना लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) पर स्वीकृत की जाती है।

आवासीय विद्यालय की छात्राओं का पारिवारिक वातावरण का आकांक्षा स्तर के उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक 0.162 प्राप्त हुआ है जो कि धनात्मक सह-सम्बन्ध है। यह मान 0.05 एवं 0.01 सार्थक स्तर के सारणीगत मान 0.098 एवं 0.128 से अधिक है। अत: परिकल्पना उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) पर अस्वीकृत की जाती है।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष-

1. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर के दोनों स्तर लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांकों(GDS) एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांकों(ADS) में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के पारिवारिक वातावरण में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
3. आवासीय विद्यालयों के छात्रों के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर के दोनों स्तर लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) एवं

उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया।

4. आवासीय विद्यालयों की छात्राओं के पारिवारिक वातावरण का उनके आकांक्षा स्तर के लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक (GDS) पर सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया एवं उपलब्धि भिन्नता प्राप्तांक (ADS) पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

शोध के शैक्षिक निहितार्थ-(अध्यापकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए)

प्रस्तुत शोध द्वारा प्राप्त निष्कर्षो का लाभ अभिभावकों को मिल सकेगा तथा वे अपने बालकों के आकांक्षा स्तर एवं पारिवारिक वातावरण के सुधार में सहयोग प्रदान कर सकेंगे। शिक्षक भी अपने विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर एवं पारिवारिक वातावरण को उच्च करने में सहयोग प्रदान कर सकेंगे। बालक-बालिकाएं भी अपने अन्दर आकांक्षा स्तर एवं पारिवारिक वातावरण को सुधारने का प्रयास करेंगे।जिससे वे अपना भविष्य श्रेष्ठ बना सकें और एक सफल या श्रेष्ठ नागरिक बन सकें।परिवार बालक की प्रथम पाठशाला होती है। वह प्रारम्भ में जो कुछ भी सीखता है वह अपने परिवार से ही सीखता है। अत: अभिभावकों को चाहिए की वह अपने परिवार के वातावरण को इस प्रकार के बनाए जिससे बालक का सम्पूर्ण विकास हो सके।अभिभावक को चाहिए कि वह अपने परिवार में समन्वय चारा व प्रेम बनाए रखे। विद्यार्थियों की समस्याओं को भी सुने, जिससे बालकों को भी विकास का उचित अवसर मिल सके।विद्यार्थियों को अपनी अध्ययन आदतों में सुधार कर आकांक्षा स्तर को उच्च बनाने का प्रयास करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची :-

1. भार्गव, महेश (1991) : मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, आगरा, एच. पी. भर्गव बुक हाउस।
2. ब्राडवे, के.पी. (1999): द सोशल काम्पीटेंस ऑफ एडोलसेन्स चिल्ड्रन, नई दिल्ली, हारानन्द पब्लिकेशन।
3. चौहान, एस.एस.: ''उच्च शिक्षा मनोविज्ञान'' नई दिल्ली, विकास पब्लिकेशन अकादमी।
4. डब्ल्यू हेरिस चेस्टर (1960) एनसाइक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशन रिसर्च, न्ययार्क, मेकमिलन।
5. गैरिट, हैनरी. ई. (2000): स्टेटिक्स इन साइक्लाजी एण्ड एजूकेशन, मुम्बई, भारतीय संस्करण प्रा. लि.।
6. गिलफोर्डर, जे.पी. (1978): फण्डामेण्टल स्टेटिस्क इन साइकोलोजी एण्ड एजुकेशन, न्यायार्क, मेग्राहिल बुक कम्पनी।
7. International Journal of education and information Sciences, Gagan Enclave, Rohta Road, Meerut, U.P.
8. Journal of Indian Education, NCERT, New Delhi.
9. Journal of Teacher Education and Research, Ramesh Institute of Education, Greater Noida.